हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 170 देहरादून, बृहस्पतिवार, 28 दिसंबर, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

नित्यानन्द स्वामी जयंती पर प्रदान किया गया 'उत्तराखंड गौरव पुरस्कार' 8

सरकार लगातार उच्च शिक्षा को बढ़ावा दे रही है : सीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 दिसंबर , तीनपानी स्थित उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का ढोल नगाड़ों और छोलिया नृत्य के साथ जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर सीएम धामी ने UOU हल्द्वानी के अष्टम दीक्षांत समारोह की सभी छात्रों को शिक्षकों को बधाई दी। परीक्षा में सफल छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए सीएम ने कहा कि मैं विश्वविद्यालय में कभी भी एक अतिथि के रूप में नहीं आता हूं बल्कि एक छात्र के रूप में आता हूं। मेरे अंदर छात्रों के बीच में जाने की एक उत्सुकता रहती है।

सीएम धामी ने कहा कि उच्च शिक्षा आज उत्तराखंड में एक सेतु का काम कर रही है। उत्तराखंड मुक्त विश्विद्यालय को नेकद्वारा बी प्लस की मान्यता मिली है। आज मुक्त विवि प्रदेश ही नहीं देशभर में नाम कमा रहा है। उन्होंने छात्रों से कहा कि आज पूरा विश्व कई क्षेत्रों में आपका इंतजार कर रहा है। हमें समय के अनुकूल अपने को बनाना होगा। सीएम धामी ने कहा कि अगर जीवन में आपके अंदर उत्साह और उमंग होगी तो सफलता अपने आप मिल जायेगी। उन्होंने कहा कि 1920 से लेकर 1947 तक युवाओं ने स्वतंत्रा संग्राम में भाग लिया ऐसे नायक हमारे लिए प्रेरणा स्रोत बने और हम उनके पग चिन्हों पर चले।

सीएम धामी ने कहा कि आप जिस क्षेत्र में जाए उस क्षेत्र के लीडर बने और एक अलग तरह का योगदान दे। आज पीएम मोदी के नेतृत्व में देश ने नई शिक्षा नीति को अपनाया है। सरकार लगातार उच्च शिक्षा को बढ़ावा दे रही है। विश्व विद्यालय में कर्मकांड जैसे विषय पढ़ाए जा रहे है। सीएम ने कहा कि डबल इंजन की सरकार लगातार विकास की ओर उन्मुख है। हमारी सरकार राज्य को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने में प्रयासरत है। आने वाला समय उत्तराखंड का है। हम सबको मिलकर कार्य करना होगा।

छात्रों को प्रदान की गई उपाधियां और पदक

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के अष्टम दीक्षांत समरोह में 21 छात्रों को विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, दो छात्रों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक एवं तीन प्रायोजक स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। साथ ही पांच छात्रों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। वहीं विभिन्न विद्याशाखाओ में 15417 को स्नातक और स्नाकोत्तर की उपाधि प्रदान की गई। कार्यक्रम की शुरुवात राष्ट्रगान से हुई। कार्यक्रम में उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह शामिल हुए। राज्यपाल ने सभी छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत लाल कुआं विधायक मोहन सिंह बिष्ट, निवर्तमान मेयर जोगेन्द्र पाल सिंह रौतेला, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, मुक्त विवि के कुलपति समेत कई लोग मौजूद रहे।

उत्तराखंड : तीन जिलों में दिखेगा कोहरे का प्रकोप, येलो अलर्ट जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 27 दिसंबर : नए साल पर उत्तराखंड घूमने जा रहे हैं तो मौसम का ध्यान रखें। प्रदेश में पिछले कई दिनों से मौसम शुष्क बना हुआ है, जिस वजह से लोगों को सूखी ठंड का सामना करना पड़ रहा है। आने वाले कुछ दिनों तक प्रदेश में मौसम शुष्क बना रह सकता है, हालांकि ठंड के प्रकोप में किसी तरह की कमी नहीं आएगी। मैदानी क्षेत्रों खासकर ऊधमसिंह नगर और हरिद्वार में घना कोहरा छाया रह सकता है। इसे देखते हुए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

देहरादून समेत आसपास के क्षेत्रों में हल्की धुंध से परेशानी बढ़ सकती है। पर्वतीय इलाकों की बात करें तो यहां पाले के चलते मुश्किलें बढ़ेंगी। देहरादून में बीते दो दिन से तापमान में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि, सुबह-शाम दून समेत आसपास के क्षेत्रों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इन दिनों ज्यादातर जगह मौसम शुष्क है, चटख धूप खिल रही है। जिससे दिन के वक्त ठंड से थोड़ी राहत मिली है, लेकिन सुबह और शाम के वक्त कंपकंपी छूट रही है।

उच्च हिमालयी क्षेत्रों में नदियां और पानी के स्त्रोत जम गए हैं। नलों में पानी नहीं आ रहा। मौसम विभाग के अनुसार पर्वतीय क्षेत्रों में पाला परेशानी बढ़ा सकता है। जबकि, मैदानी क्षेत्रों में घने कोहरे के चलते लोगों की मुश्किलें बढ़ेंगी। वाहन चालकों को सावधानी से वाहन चलाने की सलाह दी गई है। इन दिनों दिन और रात के तापमान में खासा अंतर दर्ज किया जा रहा है। ऐसे में मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए खान-पान का विशेष ध्यान रखें।

नए साल पर 24 घंटे खुले रहेंगे होटल और रेस्टोरेंट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 28 दिसंबर : उत्तराखंड में इन दिनों सैलानियों की भीड़ लगी है। क्रिसमस से शुरू हुआ जश्न नए साल के स्वागत तक चलेगा। इस मौके पर उत्तराखंड सरकार ने पर्यटकों की सुविधा के लिए बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने रेस्टोरेंट, होटल और ढाबा आदि को चौबीसों घंटे खुला रखने की अनुमति दी है। श्रम सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम के अनुसार, राज्यभर में उत्तराखंड दुकान और स्थापन (रोजगार विनियमन एवं सेवा शर्त अधिनियम 2017 के तहत रेस्टोरेंट, होटल एवं ढाबा आदि को 24×7 की अवधि में खुले रखने की अनुमति प्रदान की गई है। इसके साथ ही इन सभी प्रतिष्ठानों में दिन एवं रात्रि दोनों पालियों में सभी कर्मचारियों को कतिपय शर्तों के अधीन काम करने की भी छूट है।

श्रम सचिव ने बताया कि वर्तमान में नववर्ष-2024 के आगमन-अवसर पर अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में पर्यटक उत्तराखंड आ रहे हैं। राज्य सरकार की ओर से पर्यटकों की सुविधा के सभी रेस्टोरेंट, होटल एवं ढाबा आदि के मालिकों से अपील की गई कि वे नियमानुसार अपने-अपने

रेस्टोरेंट, होटल एवं ढाबा आदि को 24×7 की अवधि में खोलें, ताकि पर्यटकों को बेहतर सुविधा मिल सके। बता दें कि बीते दिन से मसूरी विंटर लाइन कार्निवाल भी शुरू होने जा रहा है। कॉर्निवाल में स्टार नाइट के पहले दिन रात सात बजे पद्मश्री बसंती बिष्ट और रात आठ बजे लोक गायिका रेशमा शाह, रुहान भारद्वाज टाउन में अपने कार्यक्रम की प्रस्तुति देंगे। इसके साथ ही कई अन्य रंगारंग कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। Uttarakhand New Year Guideline के तहत होटल रेस्टोरेंट 24 घंटे खुले रहेंगे।

ठंड और शीतलहर से बचना है तो रखें इन 10 बातों का ख्याल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 दिसंबर , दिसंबर के आखिर में सर्दी का सितम शुरु हो जाता है। हर रोज पारा नीचे गिरने लग जाता है। सुबह शाम कोहरे की घनी चादर बिछने लगी है और आने वाले दिनों शीतलहर (Cold Wave) का प्रकोप तेजी से अटैक करेगा। पहाड़ों पर बर्फबारी होने के बाद बर्फीली हवाएं मुश्किलें बढ़ा सकती हैं। दिल्ली एनसीआर और पूरे उत्तर भारत में लोगों का ठंड से बुरा हाल है। ऐसे में जुकाम, खांसी और सिर में दर्द की समस्या भी होने लगी है। खासतौर से जिन लोगों की इम्यूनिटी (Immunity) कमजोर होती है उन्हें किसी भी तरह का इंफेक्शन और बीमारियां जल्दी घेर लेती हैं। इस सर्दी में बच्चों और बुजुर्गों का खास ख्याल रखने की जरूरत है। अगर इन 10 बातों का ख्याल रखेंगे तो सर्दी और शीतलहर आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगी।

ठंड से कैसे बचें

25 दिसंबर के बाद से ही सर्दी का सितम शुरु हो जाता है। हर रोज पारा नीचे गिरने लग जाता है। सुबह शाम कोहरे की घनी चादर बिछने लगी है और आने वाले दिनों शीतलहर (Cold Wave) का प्रकोप तेजी से अटैक करेगा। पहाड़ों पर बर्फबारी होने के बाद बर्फीली हवाएं मुश्किलें बढ़ा सकती हैं। दिल्ली एनसीआर और पूरे उत्तर भारत में लोगों का ठंड से बुरा हाल है। ऐसे में जुकाम, खांसी और सिर में दर्द की समस्या भी होने लगी है। खासतौर से जिन लोगों की इम्यूनिटी (Immunity) कमजोर होती है उन्हें किसी भी तरह का इंफेक्शन और बीमारियां जल्दी घेर लेती हैं। इस सर्दी में बच्चों और बुजुर्गों का खास ख्याल रखने की जरूरत है। अगर इन 10 बातों का ख्याल रखेंगे तो सर्दी और शीतलहर आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगी।

ठंड और शीतलहर से कैसे बचें

ठंड बढ़ने लगी है ऐसे में सबसे जरूरी बात ये है कि जरूरत हो तभी घर से बाहर निकलें। अगर किसी काम से बाहर जाना है तो शरीर को पूरी तरह से गर्म कपड़ों से ढक लें। खासतौर से कान, गला, नाक और हाथ-पैर को अच्छी तरह से कवर कर लें। चेहरे पर मास्क लगाकर रखें।दूसरी बात है सर्दी से बचाव रखना है तो खुद को हाइड्रेट जरूर रखें। सर्दी में प्यास कम लगती है, लेकिन आपको भरपूर पानी पीना चाहिए। ठंड में दिनभर गर्म या गुनगुना पानी ही पिएं।शरीर को गर्म रखने के लिए लोग चाय ज्यादा पीते हैं। ऐसा नहीं है आप चाय के अलावा लैमन टी, ग्रीन टी, ब्लैक टी या सूप जैसी गर्म चीजों का भी सेवन करें। इससे गले को आराम मिलेगा और जुकाम-खांसी भी कम होगा।सर्दियों में संक्रमण से बचने के लिए विटामिन सी का सेवन करें। विटामिन सी से इम्यूनिटी मजबूत होगी और ठंड का असर भी कम होगा। सीजनल फल और सब्जियों का सेवन जरूर करें।शीतलहर के प्रकोप से त्वचा और बाल की देखभाल करना भी जरूरी है। ठंड में त्वचा

रूखी और बेजान हो जाती है। इसलिए मॉइश्चर का इस्तेमाल करें और बालों को हल्का तेल लगाकर रखें।कुछ लोग सर्दी से बचने के लिए अल्कोहल का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। लोगों को लगता है कि इससे शरीर में गर्मी आ जाती है। ऐसा नहीं है अल्कोहल शरीर के तापमान को डाउन कर देता है जिससे ठंड लगने का खतरा रहता है।सर्दी में हाथ पैर ज्यादा ठंडे हो गए हैं तो थोड़ी देर गर्म पानी में रखें लें। इससे हाथ पैरों में नमी आएगी और तुरंत गर्म हो जाएंगे। अगर हाथ पैर नीले हो रहे हैं तो डॉक्टर को दिखाएं।ठंड में लोग घरों को पूरी तरह से पैक कर देते हैं। ऐसा नहीं करना चाहिए। घर में एयर पास होना जरूरी है। इसलिए वेंटीलेशन का ध्यान रखें।ठंड से बचाव रखना है तो पूरी सर्दी हल्दी वाला गर्म दूध जरूर पिएं। आप चाहें तो रोजाना रात में च्यवनप्राश भी खा सकते हैं। इससे शरीर गर्म रहेगा और इम्यूनिटी मजबूत होगी।अगर ठंड लग गई है तो तुलसी, लौंग, अदरक और काली मिर्च से बनी चाय पीएं। इससे सर्दी जुकाम में आराम मिलेगा और शरीर में तुरंत गर्मी आ जाएगी।

क्या आपको पता है मसूरी में फेमस मॉल रोड का इतिहास ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 दिसंबर , भारत में सर्दियों के मौसम में आ चुके हैं और सर्दियों के मौसम में पर्यटन का एक अलग ही आनंद होता है. भारत में अधिकतर इस मौसम में लोग हिल स्टेशन जाना पसंद करते हैं. जिसमें टॉप पर शिमला, मनाली, मसूरी यह हिल स्टेशन आते हैं. अगर आप भी इन हिल स्टेशनों में कभी सैर करने गए होंगे. तो आपको एक रोड के बारे में जरूर पता होगा. यहां जो भी व्यक्ति घूमने जाता है वह इस रोड पर जरूर जाता है. इस रोड का नाम है मॉल रोड. माल रोड़ सभी हिल स्टेशनों की शान कही जाती है. लेकिन क्या आपको पता है मॉल रोड का नाम मॉल रोड कैसे पड़ा. आइए जानते हैं.

मॉल रोड का इतिहास

शिमला, मनाली या मसूरी यह भारत के काफी बड़े हिल स्टेशन माने जाते हैं. सर्दियों के मौसम में इनकी रौनक देखते ही बनती है. यह सभी हिल स्टेशन सर्दी के मौसम में लाखों सैलानियों से भर जाते हैं. इन शहरों में सबसे ज्यादा भीड़ होती है यहां की मॉल रोड पर. माल रोड जहां बेहद बढ़िया दुकान सजी होती हैं जहां रेस्टोरेंट होते हैं. लेकिन इस मॉल रोड ही क्यों कहा जाता है और वह भी एक नहीं बल्कि इतने शहरों में. तो इतिहास में थोड़ा पीछे चलते हैं.

17वीं सदी में मॉल शब्द का इस्तेमाल घूमने वाली जगह या सड़क के रूप में किया जाता था. यहां लोग घूमना पसंद करते थे. उसके बाद 18वीं शताब्दी में जब अंग्रेजों ने भारत में राज करना शुरू किया था. तब उन्होंने मॉल रोड पर सैनिकों के रहने की व्यवस्था करवाई यहां उनके घर हुआ करते थे. आसान शब्दों में कहें तो मॉल रोड को उसे समय शादीशुदा कपल्स के लिए रहने वाली जगह लिविंग लाइन रोड कहा जाता था. बस तबसे ही फेमस है मॉल रोड.

देश के इन शहरों में हैं माल रोड़

भारत में सिर्फ शिमला,मनाली या मसूरी में ही मॉल रोड़ नहीं है. बल्कि भारत के अन्य और हिल स्टेशनों में भी है. शिमला,मनाली या मसूरी के अलावा भारत के चार अन्य शहरों में भी मॉल रोड है जिम पश्चिम बंगाल का दार्जिलिंग शहर शामिल है इसके साथ ही उत्तराखंड के नैनीताल और देहरादून में भी मॉल रोड है.

क्यों कहा जाता है, भूरी आंखों वाले लोगों पर भरोसा नहीं करना चाहिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 दिसंबर , अंग्रेजी में कहावत है. 'ब्यूटी लाइज इन द आइज ऑफ़ बहोल्डर' जिसका मतलब होता है सुंदरता देखने वालों की आंखों में होती है. सही बात है हर इंसान सुंदर होता है बस देखने वाले नजर चाहिए. बात आंखों की हो रही है तू आंखों के भी कई रंग होते हैं. किसी की आंखें काली होती है किसी की आंखें नीली होती हैं किसी की हरी होती है. हिंदुस्तान में कितने प्रकार नहीं मिलते आंखों के. आम तौर पर जो लोग होते हैं उनकी आंखें काली होती हैं या भूरी होती हैं. भूरी आंखों वाले लोगों को लेकर कहा जाता है कि उन पर विश्वास नहीं करना चाहिए. ऐसा क्यों कहा जाता है और रिसर्च क्या कहती है इसे लेकर. जानते हैं इस ख़बर में.

भूरी आँखों वाले लोग

पूरी दुनिया में 50% लगभग लोग भूरी आंखों के होते हैं. भूरी आंखों वाले लोगों को लेकर बचपन में बड़े बुजुर्ग कहा करते थे कि ऐसे लोगों पर भरोसा नहीं करना चाहिए यह लोग धोखेबाज होते हैं. इस पर अलग-अलग व्यक्तियों की अलग-अलग राय हो सकती है. ऐसा कहा जाता है जिनकी आंखें बुरी होती हैं वह बहुत चालाक होते हैं शातिर लोग होते हैं और इस तरह के लोगों पर भरोसा थोड़ा देखभाल के करना चाहिए बस इसी वजह से यह कहावत चली आ रही है कि यह लोग धोखेबाज होते हैं.

क्या सच में ऐसा है?

प्राग में आंखों को लेकर एक रिसर्च की गई. जिसमें भूरी आंखों वाले लोग और नीली आंखों वाले लोग शामिल थे. इस स्टडी को तीन भागों में बांटा गया था. पब्लिक लाइब्रेरी ऑफ़ साइंस की स्टडी के पहले हिस्से में आंखों के रंग को लेकर 40 पुरुष और 40 महिलाओं पर टेस्ट हुआ उसमें रिजल्ट यह था की नीली आंखों वालों से ज्यादा भूरी आंखों वाले विश्वसनीय लग रहे थे.

स्टडी के दूसरे भाग में महिलाओं और पुरुषों को अलग-अलग करके अध्ययन किया गया तो इसमें नीली आंखों वाले पुरुष भूरी आंखों वाले पुरुषों की तुलना में ज्यादा भरोसेमंद थे स्टडी के तीसरे भाग में रिसर्च कर रही टीम ने पुरुष और स्त्रियों के चेहरे वही रख लेकिन उनकी आंखों का रंग बदल दिया इससे परिणाम भी बदल गया अंत में स्टडी में यही पाया गया की आंखों के रंग का विश्वसनीयता से कोई लेना देना नहीं है.

पहाड़ी राज्यों में कंपकंपाती ठंड का दौर शुरू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 दिसंबर , पहाड़ी राज्यों के साथ देशभर में कंपकंपाती ठंड का दौर जारी है. दिल्ली-एनसीआर को छोड़ दें तो हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान समेत उत्तर भारत के ज्यादातर इलाकों में कड़ाके की ठंड की शुरुआत हो चुकी है. हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश और बर्फबारी के चलते कुछ जगहों पर शीतलहर भी जारी है. इस बीच ठंड के साथ कोहरे ने दिल्ली-एनसीआर के परेशान करना शुरू कर दिया है. मौसम विभाग ने दिल्ली समेत देशभर में आगामी 29 दिसंबर तक शुष्क मौसम की स्थिति जारी रहने का अनुमान जताया है. अगले 2 दिनों के दौरान देश के अधिकांश हिस्सों में तापमान में कोई बड़ा बदलाव होने की उम्मीद नहीं है.

दिल्ली समेत कई राज्यों में कोहरे चलते अलर्ट जारी

देश की राजधानी दिल्ली के साथ-साथ एनसीआर के शहरों में तुलनात्मक रूप से ठंड बढ़ गई है. इसी बीच मौसम विभाग ने दिल्ली-एनसीआर में घने कोहरे के मद्देनजर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. इसके साथ ही IMD ने लोगों को घर से निकलने से पहले सावधान रहने की सलाह दी है. ऐसे में वाहन चालकों को सलाह दी गई है कि अपने वाहन की गति धीमी रखें और कम विजिबिलिटी के मद्देनजर फॉग लाइट जरूर जलाएं.

यूपी में भी कोहरा करेगा परेशान

उधर, हरियाणा और पंजाब में मौसम विभाग ने 29 दिसंबर तक घना कोहरे की चेतावनी जारी की है. इस बीच उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों के अलावा हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली और राजस्थान में अगले 3-4 दिनों के दौरान हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना मौसम विभाग की ओर से जताई गई है. उत्तर प्रदेश की बात करें तो बुधवार को लखनऊ, कानपुर समेत पूर्वांचल के ज्यादातर जिलों में घना कोहरा छाया रहेगा और विजिबिलिटी 100 से 200 मीटर तक जा सकती है. गंगा के मैदानी इलाकों में घने से बहुत घने कोहरे का अनुमान है.

अगले सप्ताह से बढ़ सकती है ठंड

वहीं, मौसम की जानकारी देने वाली निजी एजेंसी स्काईमेट वेदर के मुताबिक केरल और लक्षद्वीप में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है, जबकि तमिलनाडु से मध्यम स्तर की बारिश होने की संभावना है. मौसम विभाग के अनुसार, आगामी 29 दिसंबर की रात से पश्चिमी हिमालय में बारिश और बर्फबारी शुरू हो सकती है, जिसके बाद ठंड बढ़ेगी.

कई राज्यों में बारिश के आसार

उधर, IMD के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, आगामी 30 दिसंबर (शनिवार) के बाद से एक पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टरबेंस) सक्रिय होने वाला है, जिसके चलते कई उत्तर भारत के राज्यों में बारिश का दौर शुरू होगा. इसके 2 जनवरी तक जारी रहने का पूर्वानुमान है. वहीं मौसम विभाग के मुताबिक, अनुसार, 30 दिसंबर से नॉर्थईस्ट राज्यों और तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में बुधवार से दोबारा बारिश का दौर शुरू होगा।

महान लेखक और ज्ञानी थे शंकर दयाल शर्मा : एडवोकेट मुजतबा मलिक

शंकर दयाल शर्मा की पुण्यतिथि पर बोले, एडवोकेट मुजतबा मलिक

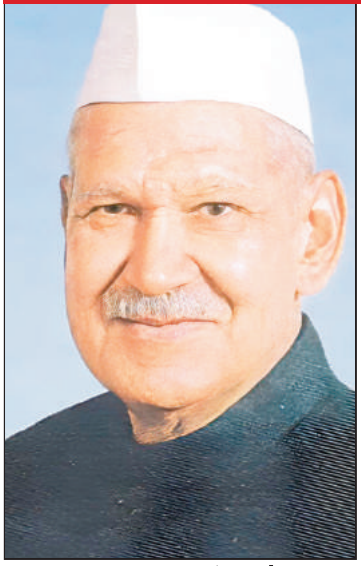

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

छुटमलपुर 28 दिसंबर : देश के पूर्व राष्ट्रपति और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी डॉक्टर शंकर दयाल शर्मा का जन्म 19 अगस्त 1918 को भोपाल में हुआ था वह भारत के नवें राष्ट्रपति थे उनकी मृत्यु 26 दिसंबर 1999 को नई दिल्ली में हुई थी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय महासचिव और उत्तराखंड प्रभारी मुजतबा मलिक एडवोकेट के कमालपुर रोड कार्यालय पर स्वर्गीय डाक्टर शंकर दयाल शर्मा जी को उनकी पुण्यतिथि पर याद करते हुए बताया कि वह वरिष्ठ वकील , विद्वान लेखक ,राजनीतिज्ञ थे वह भोपाल रियासत के और बाद में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे ,चार राज्यों के राज्यपाल ,केंद्र में मंत्री उपराष्ट्रपति और बाद में राष्ट्रपति के पदों पर आसीन रहे ।

तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की आकस्मिक मृत्यु के बाद कांग्रेस पार्टी ने उन्हें देश का प्रधानमंत्री बनाने का निर्णय लिया था लेकिन डॉक्टर शंकर दयाल शर्मा जी ने अपने स्वास्थ्य का हवाला दे कर प्रधानमंत्री का पद ठुकरा दिया था इतने शालीन और महान नेता थे शंकर दयाल शर्मा शर्मा ।अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पर भी आसीन रहे मुजतबा मलिक एडवोकेट ने बताया कि स्वतंत्रता के लिये राष्ट्रीय आंदोलन में उनकी भागीदारी के कारण उनकी गिरफ्तारी हुई और उन्हें आठ महीने के कैद हुई उन्होंने उच्च शिक्षा आगरा और लखनऊ यूनिवर्सिटी से की कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से क़ानून में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने के बाद उन्होंने लंदन में लिंकन इन और हॉवर्ड यूनिवर्सिटी में दाखिला लिया और 1940 में लखनऊ में अपनी कानूनी प्रैक्टिस प्रारंभ की और कांग्रेस में शामिल हो गये ।

मुजतबा मलिक एडवोकेट ने कहा की आज के दिन 26 दिसंबर 1999 को दिल्ली में उनका निधन हो गया था उनको श्रद्धांजलि देने वालों में हकीम अकबर अली ,अब्दुल हसीब ,मनोज चौधरी ,प्रधान फ़रमान मलिक ,प्रधान नासिर

अली ,राव यूसुफ़ ,पदम सिंह ,रामबीर सिंह ,मोहसिन गोड़ ,धर्मेंद्र चौधरी ,याहीया मलिक ,हाफिज इस्लाम ,मुकर्रम अंसारी ,वकील मलिक ,दिलबहार मलिक ,नवाब मलिक ,लुकमान मलिक ,डॉक्टर नासिर ,महबूब तलहेडी ,फ़ैसल मिर्ज़ ,परवेज़ मलिक ,परवेज़ अंसारी ,जुल्फ़कार ,याकूब ,हाफिज यामीन ,तालिब अली ,अब्दुल हसन ,हाजी असलम ,चोधरी परवीन सिद्धू ,आदि ने देश के नोंवे राष्ट्रपति महामहिम स्वर्गीय डाक्टर शंकर दयाल शर्मा जी को उनकी पुण्यतिथि पर आज श्रद्धांजलि अर्पित की ।

कोटी रजाणू मार्ग पर देवदार के स्लीपर फेंक फरार हुए लकड़ी तस्कर

विकासनगर। चकराता वन प्रभाग अंतर्गत कनासर रेंज के मेशोऊ वीट मे अवैध कटान रुकने का नाम नहीं ले रहा है। लकड़ी तस्कर फिर सक्रिय हो गए हैं। तस्कर मशक वीट से बेशकीमती लकड़ी देवदार के स्लीपर हिमाचल प्रदेश को सप्लाई कर रहे हैं। गत रात्रि वन विभाग की गश्त टीम की भनक तस्करों को मिली। जिससे तस्कर फरार होने मे कामयाब हुए। लेकिन कोटी रजाणू मोटर मार्ग बिनसोन के पास बीस स्लीपर देवदार के सडक़ से बाहर झाडियों में फेंक कर फरार हो गए। स्लीपरों को वन विभाग ने कब्जे में लेकर जब्त कर चकराता मंगा दिए हैं। अगस्त माह में तत्कालीन डीएफओ कल्याणी, उप प्रभागीय वनाधिकारी मुकुल कुमार के नेतृत्व में कनासर रेंज में बड़ी मात्रा में चार हजार से अधिक स्लीपर देवदार के जब्त किए थे।

तब कनासर रेंज में बड़े पैमाने पर अवैध कटान का मामला प्रकाश मे आया था। पीसीसीएफ के निर्देश पर गठित हाई लेवल इन्क्वायरी टीम व चकराता वन प्रभाग ने मशक वीट में अवैध रूप से काटे गए हरे पेड़ों में लगभग आठ सौ स्लीपर आरक्षित वन क्षेत्र में वीट के अन्दर ही जब्त किए। विभाग ने उन स्लीपरों में जब्ती घन लगा दिया था। लेकिन लकड़ी तस्करों के हौसले इतने बुलंद हैं कि रात के समय लडक़ी की तस्करी कर रहे हैं। डीएफओ मयंक शेखर झा ने बताया कि जब्त प्रकाष्ठ देवघार के स्लीपरों की ?चोरी हिमाचल प्रदेश को सप्लाई मामले की एसीएफ मुकुल कुमार को जांच सौंपी गई। डीएफओ ने मामलो को गम्भीरता से लेते हुए वन क्षेत्राधिकारी के जबाब तलब किए हैं।

संक्षिप्त खबरें

आजीविका महोत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

अल्मोड़ा। जनपद में प्रस्तावित आजीविका महोत्सव की तैयारियों को लेकर मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे ने विकास भवन सभागार में सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों के साथ एक बैठक की। बुधवार को आयोजित बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा यह आजीविका महोत्सव आयोजित कराया जा रहा है। उन्होंने इस सम्बन्ध में सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन विभागों को जो दायित्व दिये गये है उनका निर्वाहन करना सुनिश्चित करे। उन्होंने निर्देश दिये कि महोत्सव के दौरान नवाचार गतिविधियों से जुडे लोगों को इस कार्यक्रम में जोड़ा जाय ताकि लोगों को नई जानकारियां मिल सके।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि सभी विभाग इस बात का विशेष ध्यान रखे कि इस आजीविका महोत्सव में अधिक से अधिक लोगों को विभागीय योजनाओं के लाभ मिल सके। उन्होंने निर्देश दिये कि जिन विभागों द्वारा इस महोत्सव के दौरान विभागीय योजनाओं के स्टॉल लगाये जाने है वे विभाग सभी तैयारियाँ समय से पूर्ण कर ले। उन्होंने सम्भागीय परिवहन अधिकारी को निर्देश दिये कि महोत्सव में आने वाली महिलाओं को लाने-ले जाने की व्यवस्था के लिये सभी खण्ड विकास अधिकारियों से समन्वय स्थापित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने क्रय समिति के नामित अधिकारियों को निर्देश दिये कि 15 जनवरी तक क्रय की जाने वाली सामग्री का कार्य पूर्ण कर लिया जाय। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने पेयजल, विद्युत, सौन्दर्यकरण, सफाई, खान-पान सहित अन्य व्यवस्थाओं को पूर्ण करने के निर्देश सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को दिये। बैठक में परियोजना निदेशक पुष्पेन्द्र सिंह, जिला विकास अधिकारी एस के पंत, अर्थ एवं संख्याधिकारी रेनू भण्डारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

लंबित मांगों के निराकरण नहीं होने पर एजुकेशनल मिनिस्ट्रियल ऑफिसर्स एसोसिएशन आक्रोशित

अल्मोड़ा। एजुकेशनल मिनिस्ट्रियल ऑफिसर्स एसोसिएशन कुमाऊं मंडल इकाई में आक्रोश है। एजुकेशनल मिनिस्ट्रियल ऑफिसर्स एसोसिएशन उत्तराखंड की कुमाऊं मण्डल एक बैठक ऑनलाइन हुई। कुमाऊं मंडल अध्यक्ष पुष्कर सिंह भैसोड़ा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में संगठन की लंबित मांगों को अनावश्यक आपत्ति लगाकर लंबित रखने पर आक्रोश व्यक्त किया गया। कहा गया कि मुख्यमंत्री के नोडल अधिकारी ने मण्डलीय अपर निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा, कुमायूं मण्डल को लंबित मांगों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये, लेकिन संगठन द्वारा पर्याप्त समय देने के बाद भी प्रकरण लंबित ही पड़े हैं। कहा गया कि हीलाहवाली को लेकर सदस्यों में कड़ा आक्रोश है। लिहाजा आंदोलनात्मक रुख अख्तियार करने का निर्णय लिया गया। इसी में संघर्ष का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया। इस संबंध में मण्डलीय अपर निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा, कुमाऊँ मण्डल को प्रेषित किया गया है। घोषित कार्यक्रम के अनुसार लंबित प्रकरणों पर कार्यवाही नहीं होने के दृष्टिगत 27 दिसंबर से कुमाऊँ मण्डल के समस्त जनपदों के कार्यालयों एवं विद्यालयों में कार्यरत एजुकेशनल मिनिस्ट्रियल कार्मिकों द्वारा काला फीता बांधकर विरोध दर्ज किया जायेगा। इसके बाद 28 दिसंबर को हर जनपद में जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किए जाएंगे। इससे भी बात नहीं बनी, तो 29 दिसंबर से मंडलीय अपर निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा, कुमायूं मण्डल नैनीताल में धरना कार्यक्रम किया जायेगा। इसके बाद अगली रणनीति तय कर दी जाएगी। बैठक का संचालन मंडलीय सचिव हरजीत सिंह ने किया। इस आनलाइन बैठक से मंडल अध्यक्ष पुष्कर सिंह भैसोड़ा, मंडल पदाधिकारियों समेत विभिन्न जिलों के पदाधिकारी शामिल हुए।

जाट समाज के एकीकरण पर जोर दिया

हरिद्वार। जाट समाज जागृति समिति बिजनौर की बैठक में समाज की समितियों और महासभाओं के एकीकरण पर जोर दिया गया। ज्वालापुर में हुई बैठक में चौधरी चरण सिंह ने कहा कि हरिद्वार क्षेत्र में जाट समाज की कई समिति और महासभा है। जितने अधिक संगठन बनेंगे वह समाज को मजबूत करने के बजाय कमजोर करेगा। सर्व समिति से प्रस्ताव पारित कर निर्णय लिया कि जब तक समाज की समितियां का आपस मे विलय नहीं होता, तब तक जागृति समिति किसी दूसरे संगठन का सहयोग नहीं करेगा।

जनवरी में नहीं खुलेंगे इतने दिन बैंक, जानिए कब और कहां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 दिसंबर , साल 2023 ख़त्म होने में बस 5 दिन बचें हैं। नए साल से पहले अगर आप के बैंक से जुड़े काम रह जाते हैं। हम सोचते हैं की नए साल में करेंगे।लेकिन इस बार नए साल के पहले महीने में लगभग 16 दिन बैंक के हॉलिडे रहेंगे। ये हॉलिडे देश के अलग- अलग राज्यों के शहरों में रहेंगे। जिसमें 4 रविवार, दूसरे और चौथे शनिवार के अलावा 10 दिन बैंक हॉलिडे रहेंगे।

इन तारीखों को कर सकतें हैं बैंक के काम

अगर आपको जनवरी में बैंक से जुड़े कोई जरूरी काम करने हो तो आप इन हॉलिडे के दिनों को छोड़कर आप बैंक जा सकते हैं। हम आपको बताएंगे की जनवरी महीन में कब-कब बैंक हॉलिडे रहेंगे।

जनवरी में इतने दिन रहेगा हॉलिडे

7 जनवरी,14 जनवरी,21 जनवरी और 28 जनवरी को सभी जगह रविवार का हॉलिडे रहेगा।

आइजोल में इस दिन रहेंगे हॉलिडे

1 जनवरी नए साल के पहले दिन में आइजोल, चेन्नई, गंगटोक, इंफाल, ईटानगर और कोहिमा में हॉलिडे रहेंगे। साथ ही 2 जनवरी को आइजोल में न्यू ईयर सेलिब्रेशन हॉलिडे होगा।

इसके अलावा 11 जनवरी मिशनरी दिवस मनाया जाएगा।

13 जनवरी दूसरा शनिवार, 15 जनवरी को उत्तरायण पुण्यकाल/ मकर संक्रांति महोत्सव /माघे संक्रांति/ पोंगल/माघ बिहू, 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस, 27 जनवरी चौथा शनिवार को सभी जगह हॉलिडे रहेंगे।

चेन्नई में 16 जनवरी को तिरुवल्लुवर दिवस, 17 जनवरी उझावर थिरुनल और 25 जनवरी को थाई पूसम की छुट्टी रहेंगे।

इंफाल में 22 जनवरी इमोइनु इरत्पा और 23 जनवरी को गान-नगाई का हॉलिडे रहेगा। 25 जनवरी मोहम्मद हजरत अली के जन्मदिन पर हॉलिडे होगा।

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने सभी बैंकों को अपने ग्राहकों को बैंक लॉकर के नए समझौते पर साइन करवाने के निर्देश दिए हैं। RBI ने इस काम बैंक को 31 दिसंबर 2023 से पहले पूरा करने को कहा है। जिस भी व्यक्ति का किसी भी किसी भी ब्रांच में बैंक लॉकर है। तो वहां जाकर नए बैंक लॉकर एग्रीमेंट पर साइन करना जरुरी है।

जनवरी में बैंक 16 दिन बंद रहेंगे:4 रविवार और 2 शनिवार के अलावा अलग-अलग जगहों पर 10 दिन कामकाज नहीं होगा।

नए साल में सबकी पहुंच में होगा स्वास्थ्य बीमा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 दिसंबर , केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार स्वास्थ्य बीमा यानी हेल्थ इंश्योरेंस सस्ता करने की तैयारी में है। इसकी घोषणा अंतरिम बजट में की जा सकती है। आपको बता दें कि अंतरिम बजट एक फरवरी को पेश किया जाएगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय हेल्थ इंश्योरेंस को सस्ता करने को लेकर प्लान बनाने में जुटी है। खबर के मुताबिक सरकार स्वास्थ्य बीमा को देश के हर नागरिक की पहुंच तक पहुंचाना चाहती है। इसके अलावा केंद्र सरकार आयुष्मान भारत स्कीम के दायरे को भी बढ़ा सकती है। वहीं स्कीम के तहत दिया जाने वाला इंश्योरेंस फंड की सीमा को भी बढ़ाया जा सकता है।

40 करोड़ लोगों का नहीं है स्वास्थ्य बीमा

आपको बता दें कि आयुष्मान भारत स्कीम के तहत सालाना 2.5 लाख से कम आय वाले परिवार पांच लाख तक का इलाज फ्री में करा सकते हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक 50 करोड़ लोगों के पास अब आयुष्मान भारत कार्ड नंबर है। लेकिन देश में अब भी 40 करोड़ लोग ऐसे हैं जिनके पास किसी तरह का कोई हेल्थ इंश्योरेंस नहीं है। सरकार की तैयारी इन्हीं लोगों को हेल्थ इंश्योरेंस से जोड़ने की है.

बढ़ सकता है आयुष्मान भारत स्कीम का दायरा

सूत्रों के मुताबिक सरकार आयुष्मान भारत स्कीम का दायरा भी बढ़ा सकती है। हेल्थकेयर सेक्टर के लिए रेगुलेटर लाने की दिशा में भी कुछ घोषणाएं हो सकती है। इसके लिए वित्त मंत्रालय की ओर से पहल हो सकती है। फरवरी में आने वाले अंतरिम बजट में आयुष्मान भारत के मद में होने वाले आवंटन को भी बढ़ाया जा सकता है।

डायबिटीज की वजह से हो सकती है किडनी फेल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 दिसंबर , डायबिटीज कितनी खतरनाक बीमारी है, इसका अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि यह आपके शरीर के लगभग सभी अंगों को प्रभावित कर सकता है। इसलिए इसे कंट्रोल करना बहुत जरूरी है। ब्लड शुगर लेवल कम न किया जाए, तो यह आपके शरीर के बाकी अंगों के साथ-साथ, आपकी किडनी को भी काफी बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। अगर लंबे समय तक यह परेशानी रह जाए, तो डायबिटीक नेफरोपेथी की समस्या हो सकती है।इसलिए डायबिटीज के मरीजों को अपनी किडनी का खास ख्याल रखना चाहिए। आइए जानते हैं, क्या है डायबिटीक नेफरोपेथी और कैसे कर सकते हैं इससे बचाव।

क्या हैं इसके लक्षण

चेहरे, हाथ और पैरों में सूजन

सांस लेने में तकलीफ

भूख न लगना

मूत्र में झाग

मितली आना

उल्टी होना

ब्लड प्रेशर हाई होना

थकावट

सोचने और समझने में तकलीफ होना

रूखी त्वचा

कैसे करें इससे बचाव

डायबिटीज और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने की कोशिश करें। ये दोनों इसके प्रमुख कारण हैं। इसलिए डायबिटीज और ब्लड प्रेशर का इलाज करवाएं और कोशिश करें कि ये नियंत्रित रहें।अपने खाने में सोडियम, प्रोटीन और पोटेशियम की मात्रा को नियंत्रित करें। शरीर में इनकी मात्रा अधिक होने की वजह से आपकी किडनी पर अधिक दबाव पड़ता है, जिससे नेफरोन डैमेज हो सकते हैं। स्मोक करने से आपकी किडनी डैमेज होने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए स्मोकिंग न करें।

रोज एक्सरसाइज करें। एक्सरसाइज करने से आपका वजन कम रहेगा, जिससे डायबिटीज की वजह से होने वाली परेशानियां कम होती हैं और आपकी किडनी पर भी कम प्रभाव पड़ता है। डॉक्टर से मिलें। अगर आपको डायबिटिक नेफरोपैथी के कोई भी लक्षण नजर आएं या ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल न हो पाए, तो अपने डॉक्टर से मिलें और इसका इलाज कराएं।

संक्षिप्त ख़बरें

विश्वकर्मा योजना आम आदमी के लिए संजीवनी : कमलेश

हरिद्वार। भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश मंत्री कमलेश कुमार ने अपने प्रवास कार्यक्रम के दौरान सप्तऋषि मंडल भूपतवाला में कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओबीसी समाज की चिंता करते हुए हाल ही में विश्वकर्मा जैसी महत्वपूर्ण योजना को लागू किया है। इस योजना में कुम्हार, धोबी, मोची, लोहार, नाई आदि को प्रशिक्षण देकर रोजगार प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। कमलेश कुमार ने कहा कि इस योजना में हर विधानसभा क्षेत्र को करोड़ों रुपये प्रदान किए गए हैं। यह योजना आम आदमी के लिए संजीवनी साबित होगी। जिलाध्यक्ष प्रदीप चौधरी ने बताया कि इस योजना को जमीनी स्तर पर लागू करने की जिम्मेदारी प्रशासन के साथ-साथ संगठन को भी प्रदान गई। अभी हाल ही में विश्वकर्मा योजना की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला हरिद्वार में आयोजित की गई थी। जिसमें बीजेपी संगठन के लोगों को योजना को जमीनी स्तर पर लागू करने की बारीकियां से अवगत कराया गया था। कार्यक्रम में आशीष चौधरी, सुनीता चौधरी, ऋषभ सैनी, मुकेश पुरी, तरुण नैयर, आशीष चौधरी ,नितेश गोस्वामी,राजेश पुरी,अशोक कुमार, रामू प्रसाद, प्रीति, शांति बालाजी, पिंकी पुरी, महक, मदन कौशल, विकल राठी, शुभम चौधरी, सनी कौशल, देबू यादव, ऋषभ गिरी, मोनू गिरि आदि उपस्थित रहे।

वूमैनस अंडर-23 टी-20 में उत्तराखंड की टीम सेमीफाइनल

देहरादून। इंदौर में चल रही वूमैनस अंडर-23 टी-20 क्रिकेट ट्रॉफी में उत्तराखंड की टीम ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड (सीएयू) ने टीम को बधाई दी है। इंदौर में ट्रॉफी का पहला क्वार्टर फाइनल मैच मुबंई और उत्तराखंड की टीम के बीच खेला गया। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित बीस ओवर में पांच विकेट खोकर उत्तराखंड को 115 रनों का लक्ष्य दिया। उत्तराखंड की टीम ने बिना किसी विकेट के नुकसान पर 15.5 ओवर में लक्ष्य को हासिल कर जीत हालिस की है। टीम ने सेमिफाइनल में जगह बना ली है। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के (सीएयू) के अध्यक्ष जोत सिंह बिष्ट और सचिव महीम वर्मा ने टीम को बधाई दी। कहा कि उत्तराखंड के खिलाड़ी खेलों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

30 अप्रैल तक तक जारी होगा उत्तराखंड बोर्ड रिजल्ट परिणाम

देहरादून। उच्च एवं विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत का कहना है कि उत्तराखंड के सभी पीएमश्री स्कूलों का आधुनिकीकरण किया जाएगा। वहां स्मार्ट कक्षाओं के साथ ही फर्नीचर आदि के लिए दो-दो करोड़ रुपये दिए जाएंगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड बोर्ड की परीक्षाओं का रिजल्ट 30 अप्रैल तक घोषित कर दिया जाएगा। काबीना मंत्री डॉ.रावत ने मंगलवार को यहां विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। एमबी इंटर कॉलेज में हुए कार्यक्रम में डॉ.रावत ने कहा कि 30 अप्रैल तक उत्तराखंड बोर्ड की परीक्षाओं का रिजल्ट जारी कर दिया जाएगा, जिससे बच्चों को आगे की पढ़ाई के लिए कोई परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि राज्य में करीब 24 हजार शिक्षण संस्थान हैं। जिनमें से 7 हजार शिक्षण संस्थान को नशा मुक्त करवा दिया गया है। छात्र-छात्राओं को मिलने वाली छात्रवृत्तियों की धनराशि बढ़ाकर 2 हजार कर दी गई है। उन्होंने कहा कि आईएएस, पीसीएस की प्री-परीक्षा, एनडीए, मेडिकल, एनआईटी की प्री-परीक्षा पास करने वाले युवाओं को आगे की तैयारी के लिए सरकार की ओर से 1 लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। जो छात्र बोर्ड परीक्षाओं में 70 प्रतिशत नंबर लाएंगे, उन्हें हर माह 600 से 1200 रुपये तक की छात्रवृत्ति मिलेगी।

पदोन्नति में शिथिलता का समय बढ़ाने की मांग

देहरादून। कैबिनेट से पदोन्नति में शिथिलता के बढ़ाए गए समय को कर्मचारी संगठनों ने नाकाफी करार दिया। कर्मचारी संगठनों ने साफ किया कि जून 2024 का पूरा समय लोकसभा चुनाव आचार संहिता में निकल जाएगा। ऐसे में प्रमोशन का समय ही नहीं मिलेगा। शिथिलता के समय को बढ़ा कर जून 2025 किया जाए। उत्तरांचल फेडरेशन ऑफ मिनिस्टीरियल सर्विसेज एसोसिएशन उतराखंड के अध्यक्ष पूर्णानंद नौटियाल ने कहा कि सरकार ने कैबिनेट में पदोन्नति में शिथिलता का समय बढ़ा कर जून 2024 किया है। इसके लिए कर्मचारी संगठन सरकार का आभार जताते हैं। कहा कि इस आदेश के बाद भी हकीकत ये है कि इस आदेश का कर्मचारियों कोई लाभ नहीं मिलने वाला है। क्योंकि पहले कैबिनेट के आदेश का विधिवत शासनादेश होने में ही समय लगेगा। इसके बाद ये आदेश विभागों तक पहुंचने में समय लगेगा। विभाग स्तर से यदि बहुत जल्दी प्रक्रिया शुरू भी होती है, तो तब तक लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लग जाएगी। जो मई तक जारी रहेगी। कहा कि ऐसे में जून 2024 तक पदोन्नति में शिथिलता का लाभ कर्मचारियों को मिलने वाला नहीं है। उत्तराखंड पेयजल निगम डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ अध्यक्ष रामकुमार और महासचिव अजय बेलवाल ने कहा कि विभागों के स्तर पर पदोन्नति की प्रक्रिया बेहद सुस्त है। इसी सुस्त प्रक्रिया के कारण जून 2022 से पहले भी लोगों के प्रमोशन नहीं हो पाए। जबकि बड़ी संख्या में पद खाली थे। विभागों की यही लापरवाही कर्मचारियों पर भारी पड़ रही है। लोग पद खाली होने के बाद भी बिना प्रमोशन के रिटायर हो रहे हैं।

सुस्त अफसरों को एसपी श्वेता चौबे की वॉर्निंग

किरायेदारी सत्यापन में सुस्त अफसरों को एसपी श्वेता चौबे ने दी वॉर्निंग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी 28 दिसंबर : वर्तमान में मुख्यालय स्तर से चल रहे किरायेदारों का सत्यापन, गैर जमानती वारंट (N.B.W)/ कुर्की वारंट की शत-प्रतिशत करें तामिल एवं जनपद स्तर पर शराब पीकर वाहन चलाने, रैश ड्राइविंग एवं ओवरलोडिंग करने वालों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियानों की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी श्वेता चौबे द्वारा समीक्षा कर समस्त थाना प्रभारियों को निम्न दिशा निर्देश दिये गये-

1.समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत निवासरत किरायेदारों के सत्यापन की कार्यवाही हेतु कड़े निर्देश दिये गये थे। जिस सम्बन्ध में समस्त थाना प्रभारियों द्वारा कार्यवाही करते हुये 376 किरायेदारों का सत्यापन किया गया एवं सत्यापन न करने वाले 23 मकान मालिकों के विरुद्ध उत्तराखंड पुलिस अधिनियम की धारा- 83 के तहत चालानी कार्यवाही कर माननीय न्यायालय को प्रेषित किये गये साथ ही 38 व्यक्तियों के विरुद्ध उत्तराखंड पुलिस अधिनियम की धारा- 81 के तहत चालानी कार्यवाही की गयी। अभियान के दौरान किरायेदारों के सत्यापन की कार्यवाही में अपेक्षाकृत कार्यवाही न किये जाने पर आपत्ति प्रकट करते हुए समस्त थाना प्रभारियों को व्यक्तिगत रूचि लेते हुए अधिक से अधिक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

समस्त थाना प्रभारी शराब पीकर वाहन चलाने, रैश ड्राइविंग एवं ओवरलोडिंग करने वालों के विरूद्ध करें कड़ी कार्यवाही

2. मा0 न्यायालय से प्राप्त गैर जमानती वारंट (N.B.W)/ कुर्की वारंट की शत प्रतिशत तामील कर अभियुक्त को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किये जाने हेतु अभियान चलाकर कड़ी कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया था। जिसके क्रम में समस्त थाना प्रभारियों द्वारा अभियान चलाकर कार्यवाही करते हुये 11 वारंटियों को गिरफ्तार किया गया एवं अभियान के दौरान 16 अभियुक्त मा0 न्यायालय में रिकॉल/हाजिर हुये। शेष अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु लगातार दबिशें दिये जाने हेतु सम्बन्धित प्रभारियों को निर्देशित किया गया।

3. यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने एवं सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के दृष्टिगत फुटपाथ व सड़कों पर अनावश्यक रूप से Permanent वाहनों को खड़ा करने वालों, रैश ड्राइविंग करने एवं ओवरलोडिंग करने वाले वाहन चालकों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके क्रम में समस्त थाना प्रभारियों द्वारा कार्यवाही करते हुये शराब पीकर वाहन चलाने पर 33, रैश ड्राइविंग करने पर 79 एवं ओवरलोडिंग करने वाले 267 वाहन चालकों के विरूद्ध कार्यवाही की गयी। समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत यातायात नियमों का पालन न करने वालों के विरूद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है।

4. समस्त थाना प्रभारियों द्वारा गिरफ्तार शुदा अभियुक्तों के डोजियर भरकर समय से पुलिस कार्यालय को प्रेषित नहीं किये जा रहे है, जिससे NAFIS सॉफ्टवेयर में अपराधियों का डाटा समय से अद्यतन नहीं हो पा रहा है। जिस सम्बन्ध में समस्त थाना प्रभारियों को गिरफ्तार शुदा अभियुक्तों के डोजियर मय फिंगर प्रिंट को समय से भरकर पुलिस कार्यालय को प्रेषित करने हेतु कड़े निर्देश दिये गये।

नववर्ष संध्या के दृष्टिगत आमजन एवं पर्यटकों को सुगम यातायात व सुरक्षा व्यवस्था करना पौड़ी पुलिस की प्राथमिकता

5. साथ ही नववर्ष संध्या के दौरान जनपद में आम जनमानस एवं पर्यटकों द्वारा होटलों, रेस्तराओं एवं घरों में नववर्ष के स्वागत हेतु आतिशबाजी एवं विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते है जिसके दृष्टिगत समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत शांति व्यवस्था बनाये रखने के साथ-साथ आमजन एवं पर्यटकों के साथ अच्छा व्यवहार करने, पर्यटकों को सही मार्गदर्शन, सुगम यातायात व्यवस्था बनाये रखने के साथ-साथ हुडदंग करने वालों के विरुद्ध प्रभावी निरोधात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया

6. पर्यटकों के मार्गदर्शन हेतु इस बार विशेषतः प्रशिक्षण प्राप्त पर्यटक पुलिस की नियुक्ति की गई है जिन्हें थाना क्षेत्र के सभी पर्यटक स्थलों, महत्वपूर्ण स्थानों एवं पार्किंग स्थलों आदि की सम्पूर्ण जानकारी रहेगी।

बर्खास्त और निलंबन में क्या अंतर है, जानिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 28 दिसंबर : भारत में सरकारी नौकरी के क्रेज से भला कौन अनजान है. यहां कर शख्स की चाहत होती है कि उसकी सरकारी नौकरी लग जाए. आखिर ऐसी चाहत हो भी क्यों ना? सरकारी नौकरी में जितनी सुविधाएं होती हैं, उससे ज्यादा होती है इज्जत. अगर किसी की सरकारी नौकरी लग जाए, तो समझ लीजिये कि उसने तो जैकपोट ही जीत लिया. लेकिन इस नौकरी में ऐसे कुछ शब्द हैं, जो काले साए की तरह होते हैं. इसी में निलंबन और बर्खास्त शामिल है।

आपने निलंबन और बर्खास्त शब्द कई बार सुना होगा. इनके इस्तेमाल के बाद शख्स को उसकी नौकरी से छुट्टी मिल जाती है लेकिन इज्जत के साथ नहीं. हालांकि, इन दो शब्दों के बीच काफी बड़ा डिफ़रेंस भी है. उनके मतलब अलग होते हैं और इसका प्रभाव भी अलग होता है. आज हम आपको इन्हीं दो शब्दों के बीच का डिफ़रेंस बताने जा रहे हैं।

बर्खास्त यानी परमानेंट छुट्टी

अगर सरकारी नौकरी में किसी को बर्खास्त कर दिया गया है, यानी अब वो कभी कोई दूसरी सरकारी नौकरी नहीं कर सकता. इसे अंग्रेजी में डिसमिस करना कहा जाता है. जब कोई कर्मचारी किसी ऐसे कार्य में सम्मिलित पाया जाता है जो नियमों को ताक पर रख दे या जिससे काफी बड़ा नुकसान हो जाए, तब उस कर्मचारी को तत्काल बर्खास्त कर दिया जाता है. उसकी करेंट जॉब तो चली ही जाती है. साथ ही आगे वो किसी अन्य सरकारी नौकरी के काबिल नहीं रह जाता।

निलंबन में होता है स्कोप

वहीं निलंबन शब्द में फिर भी कर्मचारी के लिए थोड़े चांसेस होते हैं. जब कोई कर्मचारी किसी ऐसे कार्य में संलग्न पाया जाता है जो उसकी जॉब की प्रतिष्ठा के खिलाफ हो, तब उसे निलंबित कर दिया जाता है. इस दौरान कर्मचारी पर जांच कमेटी बैठाई जाती है. वो सबूतों के साथ छेड़छाड़ ना करे, इस वजह से उसके ऑफिस आने पर रोक लगा दी जाती है. इसे अंग्रेजी में सस्पेंड करना कहते हैं. इस दौरान कर्मचारी को आधी सैलरी मिलती है. अगर जांच में वो निर्दोष निकलता है तो उसकी नौकरी फिर से बहाल कर दी जाती है. लेकिन अगर आरोप सही पाए जाते हैं तो फिर वो बर्खास्त कर दिया जाता है।

संक्षिप्त खबरें

डॉक्टर गंज में शवगृह के बाहर हंगामा, शव लेने से इनकार

विकासनगर। सडक़ दुर्घटना में मारे गए व्यक्ति की मौत से गुस्साए लोगों ने शवगृह के बाहर जमकर हंगामा काटा। गुस्साए लोगों ने शव लेने से इनकार कर दिया। परिजनों और ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जब तक आरोपी वाहन चालक को नहीं पकड़ा जाता वह शव नहीं उठाएंगे। ग्रामीणों का गुस्सा भांपते हुए पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि जल्द आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इसके बाद ग्रामीण शांत हुए और शव अपने साथ ले गए। मंगलवार को 35 वर्षीय प्यारदास निवासी सरना पोस्ट खबऊ तहसील चकराता अपनी पत्नी बबीता के साथ खरीदारी करने बाइक पर सवार होकर विकासनगर आए थे। वापस घर लौटने के दौरान जुड्डों के पास तेज रफ्तार चौपहिया वाहन ने बाइक को जबरदस्त टक्कर मार दी। जिसमें बाइक सवार पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों और पुलिस ने घायल पति-पत्नी को अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने प्यारदास को मृत घोषित कर दिया। जबकि मृतक की पत्नी बबीता का उपचार चल रहा है। मृतक प्यारदास का डॉक्टरगंज स्थित सीएचसी पोस्टमार्टम हाउस में पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंपने लगी तो उनका गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। परिजनों और लोगों ने हंगामा खड़ा कर शव लेने से साफ इनकार कर दिया। परिजनों ने पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष कमलेश भट्ट के नेतृत्व में शवगृह के बाहर करीब आधे घंटे तक हंगामा काटा। कहा कि जब तक टक्कर मारने वाले वाहन चालक को पुलिस गिरफ्तार नहीं करती तब तक शव को नहीं उठाया जाएगा। बाद में मौके पर पहुंचे पुलिस अफसरों ने किसी तरह से परिजनों और लोगों को आश्वस्त किया कि दो दिन के भीतर आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जिसके बाद परिजन शांत हुए और शव को अंतिम संस्कार के लिए ले गए।

छात्राओं को दी विभिन्न कार्सों की जानकारी

विकासनगर। बुधवार को समग्र शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गाइडेंस एंड काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गर्ल्स पॉलिटेक्निक सुद्धोवाला के प्रवक्ता स्वप्निल कुमार तथा कुलदीप सिंह ने विद्यालय की समस्त छात्राओं को पॉलिटेक्निक मे कराए जाने वाले सभी कोर्स जैसे इंटीरियर डेकोरेशन, ऑफिस मनेजमेंट, कंप्यूटर साइंस, सिविल, इलेक्ट्रॉनिक एंड कम्युनिकेशन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। छात्राओं को यह कोर्स करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सभी छात्राओं ने समस्त जानकारी को बहुत ध्यान से सुना तथा प्रश्नों के माध्यम से अपनी जिज्ञासा को दूर किया। इस अवसर पर सभी छात्राओं को राइटिंग पैड तथा पेन प्रदान किए गए। कार्यक्रम के समापन पर सभी को सूक्ष्म जलपान दिया गया। कार्यक्रम में प्रभारी प्रधानाध्यापिका सपना, रमसा प्रभारी ज्योत्सना डंगवाल, करियर काउंसलिंग प्रभारी दीपांजलि जुयाल, राखी, प्रीति, श्रीमती अर्श उपस्थित रहे।

लालटेन सिटी के नाम से मशहूर है ये जगह, शाम होते ही डूब जाती है रोशनी में

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 28 दिसंबर : होई एन वियतनाम का सबसे अद्भुत शहर है, जो बड़ा ही सुंदर है. यह क्वांग नेम प्रांत में थू बॉन नदी के तट पर स्थित है. शाम होते ही शहर की सड़कें और बाजार बहुत सारी लालटेनों से भर जाते हैं. इस तरह यहां के लोग हल्की चमक की रंग-बिरंगी 'जादुई' रोशनी में डूब जाते हैं, इसलिए ये जगह लालटेन शहर के नाम से भी मशहूर है. यहां के अद्भुत नजारे को देख आप अपना दिल हार बैठेंगे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पहले ट्विटर) पर ये फोटो एक यूजर ने पोस्ट किया है, जिसके कैप्शन में बताया है कि, 'वियतनाम का सबसे जादुई शहर होई एन को लालटेन शहर के नाम से भी जाना जाता है. थू बॉन नदी होई एन की जीवनधारा है, जहां स्थानीय लोग पर्यटकों को लालटेन की रोशनी वाली नावों पर ले जाते हैं,वायरल फोटो में आप होई एन सिटी की नदी पर चलती सैकड़ों नावों और जलती लालटेनों की रौशनी से कैसा दृश्य बनता है, उसे देख सकते हैं. आप देख सकते हैं कि कैसे पूरा शहर लालटेन की रोशनी से जीवंत सा लगता है. इसी अद्भुत नजारे को देखने के लिए हर साल लाखों टूरिस्ट्स यहां आते हैं. वैसे भी होई एन सिटी प्राचीन शहर कई सालों से वियतनाम में एक प्रसिद्ध और मनमोहक पर्यटन स्थल रहा है.

होई एन सिटी में इतिहास, संस्कृति और प्राकृतिक सुंदरता का गजब का संगम देखने को मिलता है. अपने ऐतिहासिक महत्व और स्थापत्य शैली की वजह से एक अद्भुत शहर है. यहां आपको चीनी शॉप हाउस, फ्रांसीसी औपनिवेशिक इमारतें और वियतनामी ट्यूब हाउस देखने को मिल जाएगा. जापानी कवर्ड ब्रिज, बैंग बीच और टैन क्य का पुराना घर भी यहां के मुख्य आकर्षणों में शामिल हैं. पूरा शहर यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल है और 7वीं शताब्दी के प्राचीन शहर के रूप में लिस्टेड है।

होई एन का जिक्र करते समय हमें प्राचीन केसरिया और पीले रंग के घरों की कतारों और रात में लालटेन से जगमगाती नदी का जिक्र करना नहीं भूलना चाहिए. होई एन सिटी के प्रत्येक मौसम की अपनी सुंदरता है, लेकिन गर्मियों के दिनों में यहां सबसे अधिक पर्यटक आते हैं.

अगले वित्त वर्ष में होगा जीएसटी की दरों में बदलाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 दिसंबर , माल एवं सेवा कर यानी जीएसटी की दरों में बदलाव का सालों से इंतजार कर रहे लोगों को जल्दी ही खुशखबरी मिल सकती है. ऐसा कहा जा रहा है कि अगले साल जीएसटी की दरों को रैशनल बनाने का काम किया जा सकता है और सरकार आगामी अंतरिम बजट में इस बारे में साफ-साफ संकेत दे सकती है.

चुनाव के चलते आएगा अंतरिम बजट

अब हर साल फरवरी महीने की शुरुआत में बजट पेश होता है. इस बार फरवरी में अंतरिम बजट पेश होने वाला है, क्योंकि मई में लोकसभा के चुनाव हो सकते हैं. आसन्न लोकसभा चुनाव के चलते इस बार के बजट पर भी असर दिख सकता है. ऐसे में बजट में नीतिगत मोर्चे पर बहुत ज्यादा बदलाव की उम्मीद कम ही है. चुनाव के बाद केंद्र में आने वाली नई सरकार पूर्ण बजट लेकर आएगी.

टैक्स की दरों में बदलाव करने का सुझाव

जीएसटी की दरों को रैशनल बनाने की मांग लंबे समय से उठती आई है. विभिन्न स्टेकहोल्डर इस बात की वकालत करते रहे हैं कि जीएसटी के स्लैब कम किए जाने चाहिए. इस दिशा में मंत्रियों के एक समूह ने जून 2022 में अंतरिम रिपोर्ट सौंप दी थी, जिसमें जीएसटी की व्यवस्था को रैशनल बनाने के लिए कई बदलावों की सिफारिश की गई है. सुझाई गई सिफारिशों में कुछ वस्तुओं व सेवाओं पर टैक्स की दरों में बदलाव करना भी शामिल है.

नवंबर में फिर से बना मंत्रियो का समूह

सरकार ने इस साल नवंबर में जीएसटी रेट रैशनलाइजेशन पर मंत्रियों के समूह का पुनर्गठन किया है. इस जीओएम में उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्न को कंवेनर बनाया गया है, जबकि कर्नाटक के राजस्व मंत्री केबी गौड़ा जीओएम के सदस्य हैं. जीओएम के अन्य सदस्यों में गोवा के परिवहन मंत्री माउविन गोदिन्हा, बिहार के वित्त मंत्री विजय कुमार चौधरी, पश्चिम बंगाल की वित मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य और केरल के वित्त मंत्री केएन बालागोपाल शामिल हैं.

जीएसटी स्लैब की संख्या कम करने की मांग

अभी जीएसटी के पांच स्लैब हैं, जिसकी दरें जीरो, 5 परसेंट, 12 परसेंट, 18 परसेंट और 28 परसेंट हैं. उनके ऊपर कई मामलों में सेस का प्रावधान ऐसी मांग उठती रही है कि जीएसटी के स्लैब की संख्या घटकर 3 या 4 की जानी चाहिए. बिजनेस टुडे की एक रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी रेट रेशनलाइजेशन पर बने जीओएम की फिलहाल कोई बैठक शेड्यूल नहीं है. ऐसे में यही उम्मीद की जा रही है कि सरकार अंतरिम बजट में संकेत दे सकती है और अगले वित्त वर्ष में इस दिशा में काम हो सकता है.

न्यू ईयर पर इन जगहों पर बर्फबारी से होगा नए साल का स्वागत

न्यूज वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 28 दिसंबर : उत्तराखंड में मौसम शुष्क बना हुआ है। क्रिसमस पर उत्तराखंड घूमने आने वाले पर्यटक यहां बर्फबारी होने की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन फिलहाल ऐसा होता दिख नहीं रहा। मौसम विभाग की मानें तो अगले कुछ दिनों तक मौसम में बहुत ज्यादा परिवर्तन आने की संभावना नहीं है। मौसम आमतौर पर शुष्क बना रहेगा, साथ ही तापमान में गिरावट आ सकती है। आने वाले दिनों में मैदानी क्षेत्रों के साथ-साथ पहाड़ी क्षेत्रों में भी लोगों को कोहरे की समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

पहाड़ में पाला गिरने से लोगों की मुश्किलें बढ़ेंगी। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के अनुसार उत्तराखंड में सोमवार से मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। इसके साथ ही ऊंचे पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी के आसार हैं। चमोली, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर, पिथौरागढ़, उत्तरकाशी के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फ गिर सकती है। प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में चटख धूप खिलेगी। सुबह और शाम के वक्त ठंडक बनी रह सकती है, जिससे पारे में मामूली गिरावट आने की संभावना है।

मैदानी इलाकों में सुबह के समय उथले से मध्यम कोहरा छाया रह सकता है। वाहन चालकों को सावधान रहने की सलाह दी गई है। पर्वतीय क्षेत्रों में शीतलहर परेशान करेगी। शाम को तापमान में गिरावट दर्ज होने से प्रदेश भर में ठंड का एहसास होगा। क्रिसमस पर ज्यादातर जगहों पर मौसम साफ है। इन दिनों सुबह-शाम और दिन के तापमान में अंतर दर्ज किया जा रहा है, जिस के चलते लोगों को स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बदलते मौसम में स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न बरतें। ठंड से बचाव करें, सुरक्षित रहें।

लापता युवक का शव पावर हाउस के इंटैक से बरामद

विकासनगर। कोतवाली विकासनगर क्षेत्र के अंतर्गत कुंजा गांव से लापता युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कुल्हाल पावर हाउस के इंटैक के चैंबर से बरामद हुआ। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को इंटैक से बाहर निकालकर शव को शिनाख्त के लिए रखा। मृतक की शिनाख्त परिजनों ने लापता युवक के रूप में की। पुलिस ने शव का पंचनामा पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस का कहना है कि मामला प्रथमदृष्टया आत्महत्या का लग रहा है। बुधवार को फातिमा पत्नी कालू खान निवासी ग्राम कुंजा, कोतवाली विकासनगर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका बेटा इमरान घर से लापता है। जिस पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज करने के बाद युवक की तलाश शुरू की। वहीं पुलिस को सूचना मिली कि कुल्हाल पावर हाउस के इंटैक के चैंबर में एक व्यक्ति का शव फंसा हुआ है। जिस पर कुल्हाल पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को चैंबर से बाहर निकालकर शिनाख्त के लिए रखा। जिसकी शिनाख्त लापता युवक इमरान 28 पुत्र कालू खान निवासी कुंजा के रूप में हुई। कोतवाल सूर्यभूषण सिंह नेगी ने बताया कि शव का पंचनामा पोस्टमार्टम करने के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया है। कोतवाल नेगी ने बताया कि युवक के पास से कोई सुसाइड नोट आदि नहीं मिला। बताया कि परिजनों से पूछताछ में पता चला कि युवक काफी समय से परेशान रह रहा था। कहा कि मामला प्रथमदृष्टया आत्महत्या का लग रहा है। बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने व जांच के बाद कारणों का पता चल सकेगा।

पति-ससुर सहित चार लोगों पर दहेज उत्पीडऩ का केस

विकासनगर। कोतवाली विकासनगर क्षेत्र के अंतर्गत एक महिला ने अपने पति, ससुर सहित चार लोगों पर दहेज उत्पीडन करने, मारपीट व गाली गलौज करने का आरोप लगाया है। महिला की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। स्नेहा पुत्री रामकिशोर निवासी तेलपुर विकासनगर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी ससुराल आसनबाग वार्ड नंबर चार हरबर्टपुर में है। बताया कि उसकी शादी कुछ समय पूर्व देवेंद्र यादव निवासी आसनबाग से हुई थी। बताया कि शादी के बाद से पति, ससुर सहित ससुराली उसका दहेज के लिए उत्पीडन करने लगे। उसके साथ मारपीट करते रहे हैं। बताया कि आये दिन गाली गलौज करते रहते हैं। बताया कि ससुरालियों ने दहेज के लिए उससे घर से भी निकाल दिया। जिसके चलते मायके में रहती है। बताया कि पुलिस की हेल्पलाइन में भी मामला चला। लेकिन पुलिस के व उसके लाख मनाने के बाद भी ससुराली दहेज के लिए अड़े रहे। जिससे मामला सुलझ नहीं पाया है। बताया कि आरोपी पति देवेंद्र यादव, ससुर मिठ्ठनलाल यादव, उर्मिला देवी, रमेश सभी निवासी आसनबाग उसका दहेज के लिए अब भी लगातार उत्पीडन कर मारपीट करते हैं और गाली गलौज करते हैं।

फॉलोवर्स की रेस में पीएम मोदी और राहुल गाँधी में ज़ोरदार टक्कर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैश्विक नेता के तौर पर अपनी पहचान बना चुके हैं. उनकी लोकप्रियता का आलम यह है कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को लेकर दावा किया गया था कि नरेंद्र मोदी पहल करें तो वह रुकवा सकते हैं. रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन, यूक्रेन के राष्ट्रपति और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन समेत दुनिया के कई नेता नरेंद्र मोदी के समर्थक हैं. इसी साल 9 और 10 सितंबर नई दिल्ली में जी-20 के सफल आयोजन के चलते पूरी दुनिया ने नरेंद्र मोदी की काबिलियत को माना. इस बीच एक ताजा सर्व से नरेंद्र मोदी के प्रशंसकों में खुशी की लहर है. ताजा सर्वे के मुताबिक, यूट्यूब पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फॉलोअर 2 करोड़ के पार चले गए हैं. इसके साथ ही यूट्यूब पर फॉलोवर्स के मामले में वह पहले नंबर पर पहुंच गए हैं.

FB पर फॉलोअर्स की संख्या 48 मिलियन

यहां पर बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूट्यूब के अलावा, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X और इंस्टाग्राम के अलावा फेसबुक पर भी मौजूद हैं और इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पीएम मोदी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है. सोशल मीडिया X (PM Modi Twiiter) पर 94 मिलियन फॉलोअर हैं. उधर, इंस्टाग्राम की बात करें तो वहां 82.7 मिलियन फॉलोअर हैं. फेसबुक पर यह संख्या 48 मिलियन है.

यूट्यूब पर जानें किस दिग्गज के कितने फॉलोवर्स

नरेद्र मोदीः 2 करोड़ (प्रधानमंत्री, भारत)

रेसेप तैय्यप एर्दोगान : 4.19 लाख (मिश्र के राष्ट्रपति)

अरविंद केजरीवाल : 6 लाख (दिल्ली के मुख्यमंत्री)

जो बाइडेन 7.94 लाख (राष्ट्रपति, अमेरिका)वलोदिमीर

जेलेंस्कीः 11 लाख (राष्ट्रपति, यूक्रेन)

लूला डी सिल्वा 13.6 लाख (राष्ट्रपति, ब्राजील)

डोनाल्ड ट्रंप : 27.8 लाख (पूर्व राष्ट्रपति, अमेरिका)

राहुल गांधी : 35.1 लाख (पूर्व अध्यक्ष, कांग्रेस)

जैर बोलसोनारो : 64 लाख (पूर्व राष्ट्रपति, ब्राजील)

दिसंबर के पहले सप्ताह में हासिल की थी बड़ी उपलब्धि

पीएम मोदी का यूट्यूब चैनल सब्सक्राइबर्स, वीडियो व्यूज के और क्वालिटी के मामले में भी

राजनीतिक नेताओं में सबसे आगे है.नरेंद्र मोदी YouTube पर 2 करोड़ सब्सक्राइबर्स पाने वाले पहले वैश्विक नेता बन गए हैं. दिसंबर के प्रथम सप्ताह में मॉर्निंग कंसल्ट की ओर कराए गए एक सर्वे में सामने आया था कि नरेंद्र मोदी ने लोकप्रियता के मामले में 76 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग मिली है. अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन 8वे स्थान पर हैं, जबकि इटली की पीएम खूबसूरत जार्जिया मैलोनी को छठवीं रैंक मिली. वहीं, विश्व के सबसे लोकप्रिय नेताओं की सूचना में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अव्वल यानी पहले स्थान पर है. यहां पर बता दें कि मार्निंग कंसल्ट की ओर से सितंबर महीने में हुए सर्वे में पीएम नरेंद्र मोदी को विश्व का सबसे विश्वसनीय नेता बताया था।

संपादकीय

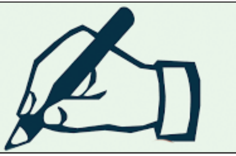

राम मंदिर सिर्फ सियासी नहीं

अयोध्या का राम मंदिर सांस्कृतिक पुनरोत्थान का एक उदाहरण है, तो राजनीति का भी मुद्दा है। 1989 से 2019 तक के लोकसभा चुनाव के घोषणा-पत्रों में भाजपा इसे शामिल करती रही है। एक राजनीतिक दल सांस्कृतिक विकास और बदलाव की बातें नहीं करता, क्योंकि वे चुनावी मुद्दे नहीं आंके जाते। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण कराएंगे, इस एक मुद्दे ने भाजपा को 2 सांसदों से 303 सांसदों तक की अप्रत्याशित छलांग लगाने की ताकत दी है। अन्य मुद्दों की भी भूमिकाएं रही हैं, लेकिन राम मंदिर के उद्घोष पर जो उन्माद और ध्रुवीकरण, भाजपा के पक्ष में, पैदा होता रहा है, उससे राजनीतिक लक्ष्य भी साधे गए हैं। आस्थाएं कई और मुद्दों के प्रति भी हो सकती हैं। आस्थाएं अयोध्या, काशी और मथुरा तक ही सीमित क्यों हैं? भाजपा और संघ परिवार के छाया-चेहरे ही अदालतों में इन मुद्दों की लड़ाइयां लड़ रहे हैं। भाजपा माने अथवा न माने, राम मंदिर 2024 के आम चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा साबित होगा, लेकिन फिर भी राम मंदिर समारोह को पूरी तरह सियासी करार नहीं दिया जा सकता। गांव-गांव, घर-घर जाना, प्रभु राम की तस्वीर के साथ प्रसाद बांटना और अयोध्या में दर्शन करने आने के आमंत्रण और इन गतिविधियों के लिए संघ परिवार के स्वयंसेवकों और कार्यकर्ताओं को ड्यूटी पर लगाने के अभिप्राय क्या हैं? जाहिर है कि रामत्व के जरिए हिंदुत्व के प्रसार का भी राजनीतिक लक्ष्य है। यह भाजपा का प्रचार-तंत्र भी है। यदि ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती कहते हैं कि चुनावी फायदे के लिए भाजपा अयोध्या में राम मंदिर के एक ही हिस्से का उद्घाटन करवा रही है, भगवान राम की बाल्य प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा चुनाव के मद्देनजर कराई जा रही है, तो उन्होंने पूर्णतः गलत नहीं कहा है। शंकराचार्य को कांग्रेस और भाजपा में बांट कर नहीं देखा जा सकता। सीपीएम महासचिव सीताराम येचुरी ने एक ही धर्म के राजनीतिकरण के कारण राम मंदिर समारोह का बहिष्कार किया है। पार्टी ने इसे 'संविधान-विरोधी' करार दिया है, क्योंकि संविधान में 'धर्मनिरपेक्ष भारत' की बात कही गई है। हम इस दलील को नहीं मानते। वैसे भी वामपंथी दल वैचारिक और मानसिक स्तर पर चीन के ज्यादा करीब रहे हैं। उन्होंने भारत-चीन युद्ध के दौरान भी देश का साथ नहीं दिया था। बहरहाल लोकतंत्र में राजनीति को खारिज नहीं किया जा सकता। राजनीति से आम आदमी भी जुड़ा है। यदि भगवान राम के दर्शनार्थ अथवा नया, भव्य मंदिर देखने देश भर से भक्तगण उमड़ते हैं, अयोध्या में भक्ति और भजन की तरंगें प्रवाहित होती हैं, यदि विरोधी राजनीति के नेतागण भी अपने 'आराध्य' के लिए अयोध्या मंदिर में जुटते हैं, तो उसे महज 'राजनीति' भी न कहा जाए। भक्ति, अध्यात्म, दर्शन, आस्था और राजनीति की परिभाषाएं भिन्न हैं। बेशक राम मंदिर के मुद्दे पर भाजपा का राजनीतिक विस्तार हुआ है। अन्य धर्मावलंबी, संप्रदाय, मत के लोग और समाज भी समारोह मनाते हैं।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094

Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com

Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus

न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

90% लोग नहीं जानते होंगे अमरूद के इस फायदे के बारे में

न्यूज वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 दिसंबर , इस समय बाजार में आपको अमरूद की भरमार नजर आएगी। दरअसल, सर्दी के इस मौसम में विटामिन सी से भरपूर अमरूद का सेवन शरीर को फ्लू और कई बीमारियों से बचाव में मदद कर सकता है। इसके अलावा इसका फाइबर पाचन तंत्र से जुड़ी समस्याओं को कम करने में मदद कर सकता है। लेकिन, इन सबके अलावा भी अमरूद के कई फायदे हैं जिनके बारे में लोग बहुत कम ही जानते हैं। तो, जानते हैं आपको किन कारणों से अमरूद का सेवन करना चाहिए। क्या हैं ये गुण और किन बीमारियों में काम आते हैं। आइए, जानते हैं इन तमाम चीजों के बारे में विस्तार से।

1. थायराइड के मरीजों के लिए है बेस्ट

अमरूद में कॉपर की अच्छी मात्रा होती है जो थायराइड हार्मोन के उत्पादन और अवशोषण में मददगार है। ये थायराइड ग्लैंड के काम काज को बेहतर बनाता है । ऑक्सीकरण-कमी करने वाले सक्रिय तत्व के रूप में, कॉपर थायरॉयड गतिविधि और लिपिड मेटाबोलिज्म को बनाए रखता है। ये T4 के अतिअवशोषण को रोकता है और कैल्शियम के स्तर को नियंत्रित करता है। इससे थायराइड को बैलेंस करने में मदद मिलती है। इसलिए थायराइड के मरीजों को इस फल का सेवन जरूर करना चाहिए।

2. विटामिन बी3 और बी 6 से भरपूर

अमरूद में विटामिन बी3 और बी 6 से होता है। ये आपके मस्तिष्क के काम काज को बेहतर बनाता है और नसों की कमजोरी को दूर करने में मददगार है। ये शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को तेज करता है और नसों के फंक्शन को बेहतर बनाता है। इसलिए अपने ब्लड फंक्शन और नसों को हेल्दी रखने के लिए इन दो विटामिन से भरपूर अमरूद का सेवन जरूर करना चाहिए। इस प्रकार से अमरूद आपकी सेहत के लिए कई प्रकार से फायदेमंद है। तो, बस समय बर्बाद न करें और ये हाई विटामिन सी, फ्लेवोनोइड्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर अमरूद का सेवन जरूर करें। ये पेट के लिए भी अच्छा है और कब्ज जैसी समस्याओं से भी बचाव में मददगार है।

सरकार ने सैनिकों व उनके आश्रितों के अनुदान को बढ़ाया : गणेश जोशी

ऋषिकेश। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा है कि मोदी सरकार और धामी सरकार सैनिकों के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। सैनिक और उनके आश्रितों के लिए देश व प्रदेश में कई कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। बुधवार को अठूरवाला स्थित हिलेरी वाटिका में उत्तराखंड पूर्व सैनिक एवं अद्र्ध सैनिक संगठन के 29वें स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसका शुभारंभ सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने किया। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जवानों के साथ दीपावली मनाते हैं। यह इस बात का प्रतीक है कि मोदी सरकार सैनिकों के सम्मान और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए कितनी गंभीर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पद चिन्हों पर प्रदेश में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सैनिक और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। वीरता चक्र से अलंकृत सैनिकों और वीर नारियों को उत्तराखंड परिवहन निगम की बसों में निशुल्क यात्रा सुविधा प्रदान की जा रही है। राज्य सरकार ने सैनिकों या उनके आश्रितों को मिलने वाली अनुदान राशि बढ़ाने से लेकर शहीद सैनिकों के आश्रितों को राज्य सरकार के अधीन आने वाली नौकरियों में वरीयता के आधार पर नियुक्ति देने का भी फैसला लिया है। सैनिक और पूर्व सैनिकों के समग्र विकास के लिए प्रदेश सरकार की ओर से कई कार्य किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में वीर नारियों को भी सम्मानित किया गया। मौके पर डोईवाला विधायक बृजभूषण गैरोला, निदेशक दूने डिफेन्स एकेडमी सन्दीप गुप्ता, संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष आरएस भंडारी, कर्नल रघुवीर भंडारी, डीडी जोशी, राजेंद्र शाह, कर्नल देवन्द्र, कर्नल वेटरन सुमीत सूद, कर्नल डीआर ठाकुर, कर्नल कैलाश चन्द्र देवरानी, मेजर पीसी पंत, जसबीर राणा, नरेंद्र नेगी,जसबीर राणा, ग्राम प्रधान रानीपोखरी सुधीर रतूड़ी आदि मौजूद रहे।

अरावली सदन बना चैंपियन

ऋषिकेश। मां आनंदमयी मेमोरियल स्कूल में वार्षिक खेल दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताएं हुई। इसमें अरावली सदन ओवर ऑल विजेता रहा। बुधवार को वार्षिक खेल दिवस का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर एसवी सरमा, पूर्व वायु सेना अधिकारी देवेश्वर प्रसाद रतूड़ी, पैरा ओलंपिक खिलाड़ी नीरजा गोयल, केजीएस कालसी रविंद्र रौतेला ने रिबन काटकर किया। अतिथियों ने बच्चों को खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद खेल मशाल जलाकर खेलों की शुरुआत की गई। सीनियर विंग के बच्चों ने पीटी ड्रिल, योग तथा कराटे का प्रदर्शन किया। जूनियर विंग के बच्चों की फन रेस करवाई गयी। जूनियर विंग के बच्चों ने रेस के बाद पी.टी. ड्रिल की। सीनियर विंग के छात्रों ने रिले रेस, गोला फेंक, 100 मीटर, 200, 400 तथा 800 मीटर की दौड़ में प्रतिभाग किया। इसके बाद ओवरऑल अरावली सदन विजेता घोषित हुआ।

नित्यानन्द स्वामी जयंती पर प्रदान किया गया 'उत्तराखंड गौरव पुरस्कार'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश, 28 दिसम्बर , परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती को उत्तराखंड गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। देवभूमि उत्तराखंड के प्रथम मुख्यमंत्री स्व नित्यानन्द स्वामी की जयंती के अवसर पर नित्यानन्द स्वामी जनसेवा समिति, देहरादून द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया ।स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने देवभूमि उत्तराखंड के प्रथम मुख्यमंत्री स्व नित्यानन्द स्वामी जी की जयंती के अवसर पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये कहा कि कई बार लोग अपने वस्त्र बदल लेते हैं परन्तु विचारों को नहीं बदल पाते, बात विचारों को बदलने की है; किरदारों को बदलने की है और उसी पर ध्यान दिया हमारे स्वामी नित्यानन्द जी ने। जो दूसरों के लिये जीते हैं उनका स्मरण होता है और जो अपने लिये जीते हैं उनका मरण होता है। इतिहास वे लोग नहीं लिखते जो लकीरों पर चलते हैं बल्कि वे लोग लिखते हैं जो देखते है कि लकीरों के बीच में क्या है, ऐसे ही चलकर हमारे महापुरूषों ने इतिहास लिख दिया ।उत्तराखंड के इतिहास और राजनीति के क्षेत्र में श्री नित्यानन्द स्वामी जी ने एक अद्भुत पहचान स्थापित की हैं।

स्वामी जी ने कहा कि आज देश के पास सोच भी है, संस्कार भी है, संकल्प भी है और समर्पण भी है। ऐसे व्यक्तित्व देश के पास है जिनकी वजह से बहुत कुछ बदल रहा है; भारत बदल रहा है; भारतीय बदल रहे हैं और भारतीय संस्कृति का स्वरूप बदल रहा है और इसका पूरा श्रेय जाता है हमारे देश के ऊर्जावान, यशस्वी, तपस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को जाता है जिनके नेतृत्व में भारत बदल रहा है, बस हमें तो इतना करना है कि भारत को हम भारत के आंखों से देखें; समझें; जाने व जियें।

स्वामी जी ने उत्तराखंड गौरव पुरस्कार ग्रहण करते हुये कहा कि उत्तराखंड ही नहीं बल्कि पूरे भारत का गौरव है देवात्मा हिमालय और माँ गंगा। हिमालय है तो गंगा है, हिमालय है तो हम है इसलिये इस पुरस्कार के साथ स्वयं को भी माँ गंगा व हिमालय को समर्पित करते हैं ताकि सभी को प्राणवायु ऑक्सीजन देने वाला हमारा देवात्मा हिमालय और भारत की बड़ी आबादी को जीवन व जीविका देने वाली माँ गंगा स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त रह सकें।

स्वामी जी ने कहा कि भारत में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक हर क्षेत्र अपनी विशिष्टता, विविधता और अद्भुत संस्कृति के लिये विख्यात है। भारत का रेगिस्तान हो या सदानीरा नदियाँ, हिमालय हो या फिर ग्लेशियर सभी मन को शान्ति देते है। भारत की नदियों और पर्वत श्रृंखला ने जनमानस को न केवल अपनी ओर आकर्षित किया है बल्कि संबल भी प्रदान किया है। माँ गंगा और हिमालय ने भारत को एक उत्कृष्टता प्रदान की है। उत्तराखंड के पास अनेक मनमोहक सांस्कृतिक और प्राकृतिक विविधता से युक्त ऐतिहासिक विरासतें हैं जिन्हें सुरक्षित रखना हमारा कर्तव्य है।

स्वामी जी ने श्री नित्यानन्द स्वामी जनसेवा समिति, देहरादून द्वारा किये जा रहे अद्भुत सेवा कार्यो हेतु पूरी टीम को साधुवाद देते हुये कहा कि वास्तव में निस्वार्थ भाव से दूसरों की सेवा करना ही भारतीय संस्कृति का मूल मंत्र है और यही मानवता की सेवा भी है। दुनिया में ऐसे कई महापुरूष हुये जिन्होंने दूसरों की सेवा के लिये अपने प्राणों की आहुति दे दी। प्रत्येक मनुष्य को गरिमापूर्ण जीवन देने, समाज के हर वर्ग और प्रत्येक व्यक्ति के जीवन स्तर में सुधार करने हेतु भारतीय सनातन संस्कृति का सूत्र 'सेवा ही साधना है' को अंगीकार करना होगा ताकि हमारे ऋषियों और महापुरूषों द्वारा प्रदान की गयी यह दिव्य संस्कृति जीवंत व जागृत बनी रहे।

इस अवसर पर स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी को ''उत्तराखंड गौरव सम्मान'', राज्यसभा सांसद नरेश बंसल को ''स्वच्छ राजनीतिज्ञ सम्मान'', पद्मश्री डा माधुरी बड़थ्वाल को 'सांस्कृतिक संपदा अलंकरण', कुलाधिपति स्वामी राम हिमालयन यूनिवर्सिटी, डा विजय धस्माना को 'शिक्षाविद् अलंकरण', सीईओ रामपीर इंडस्ट्रीज कॉपोरेशन दर्शन सांखला को 'उद्योग अलंकरण', आहूजा पैथोलॉजी, डा अलका आहूजा को 'चिकित्सा सेवा अलंकरण' से सम्मानित किया गया।

स्वच्छ राजनीतिज्ञ सम्मान समाारोह-2023 कार्यक्रम में वित्त, शहरी विकास, आवास व संसदीय कार्य मंत्री प्रेमचन्द्र अग्रवाल जी, निवर्तमान महापौर, देहरादून सुनील उनियाल गामा , अध्यक्ष बाल अधिकार संरक्षण आयोग डा श्रीमती गीता खन्ना , मा पूर्व उपाध्यक्ष लोकसभा, चरणजीत सिंह अटवाल , विधायक, सहसपुर सहदेव पुंडीर , अध्यक्ष बाल अधिकार संरक्षण आयोग डा श्रीमती गीता खन्ना और अन्य विशिष्ट अतिथियों ने सहभाग किया। स्वामी जी ने अध्यक्ष नित्यानन्द स्वामी जनसेवा समिति, आर के बक्शी , उपाध्यक्ष ज्योत्सना शर्मा , विनायक शर्मा स्वामी और पूरी टीम को रूद्राक्ष का पौधा आशीर्वाद स्वरूप भेंट किया।

दून पुलिस ने कुछ ही घंटों में किया लूट का खुलासा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 28 दिसंबर : युगल किशोर, उनियाल अकाउंटेंट, देहरादून प्रीमियर मोटर्स प्रा.लि.हरिद्वार बाईपास रोड अजबपुर कला देहरादून द्वारा थाना नेहरू कॉलोनी पर एक तहरीर देकर बताया कि हमारे प्रतिष्ठान महिंद्रा शोरूम में रात्रि को अज्ञात चोरो द्वारा शोरूम का ताला तोड़कर अंदर घुसकर अकाउंटेंट कार्यालय में अलमारी में रखे लाखों रुपये की नगदी को चोरी कर लिया गया है जिस पर थाना नेहरू कॉलोनी पर मुकदमा अपराध संख्या 480/2023 धारा 380/457 भादवि पंजीकृत किया गया ।उक्त चोरी की घटना के सफल व शीघ्र अनावरण के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून अजय सिंह द्वारा क्षेत्राधिकारी डालन वाला और थानाध्यक्ष नेहरू कॉलोनी को निर्देशित किया गया ।

क्षेत्राधिकार व थानाध्यक्ष द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया तो पाया कि घटनास्थल निर्माणाधीन महिंद्रा शोरूम की बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर है जिस पर सुरक्षा के दृष्टिगत कोई भी सीसीटीवी कैमरा नहीं लगा है तथा शोरूम पर अन्दर जाने के लिए दोनों तरफ से खुला हुआ स्थान है जिन पर कोई भी दरवाजा नहीं लगा है ।

घटनास्थल के ऑफिस परिसर में अंदर जहां नगदी रखना बताया गया वहाँ भी सुरक्षा हेतु गार्ड नियुक्त नहीं था।मुक़दमा वादी द्वारा जिस अलमारी से नगदी चोरी होना बताया गया वह भी कोई सुरक्षित अलमारी ना होकर घरेलू कपड़े रखने की साधारण टिन की अलमारी थी । निर्माणाधीन भवन में लगभग 150 विभिन्न प्रदेशों के मज़दूर भी कार्य कर रहे थे । घटनास्थल के निरीक्षण के बाद उक्त चोरी के अनावर तथा हर पहलू से जाँच हेतु थाना स्तर पर चार टीम क्रमशः मोबाइल सर्विलांस/CCTV चेकिंग,महिंद्रा शोरूम के कर्मचारी व मजदूरों से पूछताछ,पुराने अभ्यस्त अपराधियों से पूछताछ ,अन्य प्रदेशों में गाड़ियों के शोरूम में चोरी करने वाले गैंगो की जानकारी व पूछताछ हेतु गठित की गई ।टीमो के द्वारा मुखबिर मामूर किये गये तथा आवंटित कार्य अनुसार तेजी से कार्य प्रारंभ किया गया ।

महिंद्रा शोरूम में सीसीटीवी ना होने कारण व मोबाइल सर्विलांस से पर्याप्त साक्ष्य न मिलने पर टीमों द्वारा मैनुअल तरीके से कार्य प्रारंभ कर घटना के अनावरण का प्रयास शुरू किया गया व मुखबिरों की मदद ली गई ।दिनांक 25-12-2023 को मुखबिर खास के द्वारा सूचना दी गई कि एक व्यक्ति जिसका नाम दीपक है जो पूर्व मे भी चोरी की घटनाओ में जेल जा चुका है तथा नशे का आदी है , नशे मे बहुत पैसा खर्च कर रहा है ।हर जगह 500 का नोट ही निकाल रहा है ।उसके पास 500 के नोटों की गड्डी भी देखी गई है । उसे चेक कर लें।

मुखबिर की उक्त सूचना पर गठित पुलिस टीमो के द्वारा मुखबिर की मदद से दीपक कुमार पुत्र अशोक कुमार निवासी चिसोपानी नौका थाना क्लेमेंटाउन जनपद देहरादून उम्र-32 वर्ष को दौडवाला से पकड़ा। पूछताछ व तलाशी पर दीपक की जेब से 103500/रू नगद बरामद हुए तथा उक्त व्यक्ति से सख्ती से पूछताछ करने पर उसके द्वारा बताया गया की दिनांक 23/24-12-2023 की रात्रि को उसके द्वारा ही महिंद्रा शोरूम से चोरी की गई थी तथा चोरी के शेष रुपये उसने बडकली में अपनी बहन के घर पर छुपाकर रखें है ।अभियुक्त द्वारा चोरी से प्राप्त शेष 30 लाख की रकम को उसकी बहिन के घर से अभियुक्त की निशानदेही पर बरामद किया गया । कुल चोरी की रकम 3124254/रु मे से 3103500/रुपये बरामदगी हुई ।शेष 20754/रू की धनराशि के बारे में अभियुक्त दीपक के द्वारा बताया गया कि वह रुपये नशे व अन्य खरीदारी में खर्च हो गये है ।बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 411 भादवि की बढोतरी की गई ।अभियुक्त पूर्व में भी चोरी की घटना में जेल जा चुका है अभियुक्त को अग्रिम कार्यवाही हेतु माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा

नाम पता अभियुक्त –

दीपक कुमार पुत्र अशोक कुमार निवासी चिसोपानी नौका थाना क्लेमेंटाउन जनपद देहरादून उम्र-32 वर्ष बरामदगी - कुल 3103500/रु नकद ।

अभियुक्त का आपराधिक इतिहास-

1-मु.अ.स.193/23 धारा 25/4 शस्त्र अधिनियम थाना नेहरू कालोनी2- मु.अ.स.-261/21 धारा 25/4 शस्त्र अधिनियम 3-मु.अ.स.- 395/23 धारा 457/380/411/IPC थाना नेहरू कालोनी 4-मु.अ.स.- 480/23 धारा 457/380/411 IPC थाना नेहरू कालोनी

पुलिस टीम-

टीम 1-

1- मोहन सिंह थानाध्यक्ष थाना नेहरू कॉलोनी देहरादून2- उ0नि0 अरुण जायसवाल 3- कानि0 1088 कमलेश सजवाण4- हेड कानि दिनेश राणा

टीम 2-

1- वरिष्ठ उ0नि0 योगेश दत्त थाना नेहरू कालोनी देहरादून2- का नि श्रीकांत ध्यानी 3- कानि आशीष राठी 4- कानि बृजमोहन रावत5- का नि मुकेश कण्डारी

टीम 3

-1- उ0नि0 दीपक द्विवेदी चौकी प्रभारी बाईपास थाना नेहरू कालोनी 2- उ0नि0 कुसुम पुरोहित चौकी प्रभारी फव्वारा3- का नि 0 1761 हेमवन्ती4- महिला कानि0 रजनी

टीम 4-

1-उ0नि0 कुलदीप सिंह थाना नेहरू कालोनी देहरादून 2- उ0नि0 सतवीर भण्डारी 3- कानि विपिन सेमवाल 4-कानि0 किरन एस0ओ0जी देहरादून

संक्षिप्त खबरें

रंगारंग प्रस्तुति से साहिबजादों के बलिदान को दर्शाया

ऋषिकेश। निर्मल आश्रम ज्ञान दान अकादमी का 18 वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। वार्षिकोत्सव पर रंगरंग कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गईं। छात्र-छात्राओं ने सिख गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों के बलिदान की शहीदी गाथा को प्रस्तुत किया। निर्मल आश्रम ज्ञान दान अकादमी में वार्षिकोत्सव और वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका शुभारंभ भारतीय पर्वतारोहण संस्थान की प्रोफेसर डॉ. हर्षवंती बिष्ट ने किया। डॉ. हर्षवंती बिष्ट ने विद्यालय में निशुल्क शिक्षा और बेहतर प्रबंधन की सराहना की। विद्यालय प्रमुख संत जोध सिंह महाराज ने कहा कि निर्मल आश्रम के प्रमुख संत राम सिंह महाराज के नेतृत्व में समाजसेवा के कार्य किए जा रहे हैं। प्रधानाचार्या डॉ. सुनीता शर्मा ने कहा कि विद्यालय में क्षेत्र के निर्धन वर्ग के बच्चों को 12वीं तक निशुल्क शिक्षा और अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती है। इस दौरान कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। नन्हे -मुन्ने बच्चों ने चांद का सफर में चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग को नृत्य और गीतों के माध्यम से दर्शाया। वहीं छात्र-छात्राओं ने वीर बाल दिवस पर गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादो के बलिदान की गाथा को नाटक के जरिए प्रस्तुत किया। हिंदी नाटक वीर अभिमन्यु, भक्त प्रहलाद की प्रस्तुति ने दर्शकों को भाव-विभोर किया। कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया। मौके पर विद्यालय के चेयरमैन डॉ. एसएन सूरी, रेनू सूरी, एनडीएस प्रधानाचार्या ललिता कृष्णास्वामी, डीएसबी प्रधानाचार्य शिव सहगल, फुटहिल्स प्रधानाचार्या अनिता रतूड़ी, दून इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य डॉ. तनुजा पोखरियाल, अमृतपाल डंग, ज्योति पंवार, दीपमाला कोठियाल, सरदार डा. गुरजिंदर सिंह, प्रदीप, बृजपाल सिंह यादव, सरदार अरिहंत सिंह, ऋषभ चावला, सरदार दर्शन सिंह, बाबू आत्म प्रकाश, सरदार हरमन सिंह, डॉ. अजय गुप्ता, राजेश गुप्ता, इंद्रजीत सिंह, हितेश कुमार, गुरजीत सिंह करनाल, बलविंदर सिंह, निर्मल सिंह, मनजीत सिंह, केएल डंग, सोहन सिंह कैंतुरा, दिनेश पैन्यूली, पूनम चौहान, रजनी श्रीकोटी, सुनील दत्त पांडे, स्मिता गर्ग, ममता आदि उपस्थित रहे।

मांगों को लेकर छात्र नेताओं का आमरण अनशन शुरू

ऋषिकेश। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने श्रीदेव सुमन विवि के ऋषिकेश कैंपस में स्नातकोत्तर की सीटें बढ़ाने सहित कई मांगों को लेकर आमरण अनशन शुरू कर दिया है। अनशन को छात्रसंघ के अध्यक्ष समेत अन्य पदाधिकारियों ने भी अपना समर्थन दिया। छात्र नेताओं ने मांग पूरी होने तक उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। बुधवार को अभाविप से जुड़े छात्र नेताओं ने ऋषिकेश कैंपस में आमरण अनशन शुरू कर दिया। बुधवार को अनिरुद्ध शर्मा और दीपक कुमार आमरण अनशन पर बैठे। अनशनकारी अनिरुद्ध शर्मा ने कहा कि ऋषिकेश विधानसभा में एक मात्र पीजी कॉलेज होने के बावजूद इसकी उपेक्षा की जा रही है। स्नातकोत्तर में पर्याप्त सीटें नहीं होने से क्षेत्र के छात्रों को दूर दराज के महाविद्यालयों का रुख करना पड़ता है। लंबे समय से सभी संकायों में स्नातकोत्तर में प्रवेश के लिए सीटें बढ़ाने, सभी संकायों में शिक्षकों की संख्या बढ़ाने, नए पाठ्यक्रम एमए योगा, बीएड, बीपीएड आदि को लागू करने, विवि के अधिकारियों को परिसर में बैठाने की मांग की जा रही है। लेकिन इन मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इस दौरान छात्रसंघ अध्यक्ष हिमांशु जाटव के नेतृत्व में समस्त छात्रसंघ पदाधिकारियों ने आमरण अनशन को अपना समर्थन दिया। छात्रसंघ अध्यक्ष हिमांशु जाटव ने कहा कि छात्र-छात्राओं को अपनी मांग के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। कहा कि ये सत्ताधारी पार्टी के लिए भी बहुत लाचारी की बात हैं कि भाजपा की सरकार होने के बावजूद भी उनके ही छात्र संगठन को धरने पर बैठना पड़ रहा हैं।